हिन्दुस्तान जनपद बरेली दिनॉक 28.10.2024

आयोजन | जोन के सभी जिलों साइबर अपराध विवेचकों की एडीजी ने कराई वर्कशॉप, साइबर सुरक्षा सलाहकार ने सीओ से सिपाही तक को दी जानकारी

साइबर अपराध पर रोक के लिए पीड़ित को सिखाएं ट्रैकिंग

बरेली, वरिष्ठ संवाददाता।
डिजिटल अरेस्ट जैसे विभिन्न तरह के साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए आम जनता का जागरूक होना जरूरी है। इसको लेकर रविवार को एडीजी रमित शर्मा के निर्देशन में जोन के साइबर अपराध विवेचकों की वर्कशॉप आयोजित की गई। इस दौरान उन्हें बताया कि साइबर अपराध की रिपोर्ट दर्ज करने के साथ ही पीड़ित को साइबर अपराध को ट्रैक करने की जानकारी दें ताकि वे खुद बच सकें और दूसरों को भी बचा सकें।

वर्कशॉप में विशेषज्ञ के तौर पर पुलिस के साइबर अपराध सलाहकार राहुल मिश्रा मौजूद रहे, जिसमें जोन के सभी नौ जिलों के सीओ से लेकर सिपाही स्तर तक पुलिसकर्मी मौजूद रहे। इस दौरान एडीजी रमित शर्मा ने अपने संबोधन में उभरते साइबर अपराध विशेषकर डिजिटल अरेस्ट और

वर्कशॉप में एडीजी को सम्मानित किया गया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत साइबर अपराध से बचने को तरीके बताए गए।

बच्चों के अपराध में फंसने पर ब्लैकमेल कर होने वाली वसूली पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तकनीक का गलत उपयोग साइबर अपराध की श्रेणी में आता है। वित्तीय धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने त्वरित कार्यवाही की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि साइबर थानों को पीड़ित की शिकायत को पूरी तरह समझना चाहिए और रिपोर्ट दर्ज करने के वक्त ही अपराध को ट्रैक करने की जानकारी देनी चाहिए। साइबर अपराध विशेषज्ञ राहुल मिश्रा ने साइबर थानों और साइबर सेल से आए पुलिसकर्मियों को उदाहरण के माध्यम से विभिन्न साइबर अपराधों के सम्बन्ध में जानकारी दी और साइबर अपराध के प्रति जागरूक पर जोर दिया। सवाल-जवाब के माध्यम से विवेचकों का शंका समाधान भी किया गया। यह वर्कशॉप फ्यूचर यूनिवर्सिटी में आयोजित की गई, जिसमें एसपी क्राइम मुकेश प्रताप सिंह, चांसलर मुकेश गुप्ता, वाइस चांसलर प्रोफेसर पंकज कुमार मिश्रा समेत जोन के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

गरुड़ से होगी साइबर अपराध से सुरक्षा

बरेली। मिशन शक्ति अभियान के तहत ऑपरेशन गरुड़ के जरिये महिलाओं एवं बालिकाओं को साइबर अपराध से बचाने के लिए ऑपरेशन गरुड़ शुरू किया गया है। इसको लेकर भी जोन के समस्त जनपदों में मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत महिला बीट से सम्बन्धित महिला अधिकारी/कर्मचारीगण की वर्कशॉप आयोजित की गई। फ्यूचर यूनिवर्सिटी में आयोजित इस वर्कशॉप में साइबर एक्सपर्ट राहुल मिश्रा ने विभिन्न साइबर अपराधों के बारे में जानकारी दी और महिलाओं व बालिकाओं को इससे बचाव के लिए जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। उन्हें बताया गया कि क्या-क्या उपाय करने पर आप साइबर अपराधियों के चंगुल में नहीं फंस सकती हैं। साथ ही उनको अनजान कॉल से दूर रहने को कहा गया।

अमृत विचार जनपद बरेली दिनॉक 28.10.2024

तकनीक का गलत उपयोग भी साइबर अपराधः एडीजी

एडीजी ने कार्यक्रम में एक पुस्तिका का भी विमोचन किया। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

• फ्यूचर विश्वविद्यालय में साइबर सुरक्षा पर कार्यशाला का किया आयोजन

अमृत विचार : तकनीक का गलत उपयोग भी साइबर अपराध की श्रेणी में आता है। साइबर थानों को पीड़ित की शिकायत को पूरी तरह समझना चाहिए और अपराध को ट्रैक करने की जानकारी देनी चाहिए। ये बातें फ्यूचर विश्वविद्यालय में आयोजित साइबर सुरक्षा पर कार्यशाला में एडीजी रमित शर्मा ने कहीं।

कार्यशाला में बरेली जोन के नौ जिलों के 200 से अधिक पुलिस अधिकारियों को साइबर सिक्योरिटी के विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण दिया। यह कार्यशाला ऑपरेशन लीडर्स मीट के तहत आयोजित की गई, इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना साइबर थाने बनाने को साकार करना है। रिसोर्स पर्सन राहुल मिश्रा ने साइबर थानों को विभिन्न साइबर अपराधों के बारे में आम जनता को जागरूक करने पर जोर दिया। फ्यूचर विश्वविद्यालय के चांसलर मुकेश गुप्ता ने कहा कि साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता व्यक्ति सामूहिक जिम्मेदारी है, जो समाज को सुरक्षित बनाएगी। उन्होंने तकनीकी शिक्षा में इस विषय को शामिल करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। एडीजी ने सुझाव दिया कि साइबर डेस्क पर मौजूद पुलिस कर्मियों को सक्षम होना चाहिए ताकि वे पीड़ित की रिपोर्ट साइबर सेल पर स्वयं दर्ज कर सकें। इस अवसर पर डिजिटल सीमा को सुरक्षित करना नामक पुस्तक का आधिकारिक विमोचन किया गया। कार्यशाला में एसपी क्राइम मुकेश प्रताप सिंह और वाइस चांसलर प्रोफेसर पंकज कुमार मिश्रा आदि मौजूद रहे।

दैनिक जागरण जनपद बरेली दिनॉक 28.10.2024

तकनीक का गलत उपयोग भी साइबर अपराध : एडीजी

जासं, बरेली : तकनीक का गलत उपयोग भी साइबर अपराध की श्रेणी में आता है। वित्तीय धोखाधड़ी पर तत्काल कार्रवाई होने से इस पर लगाम लगाया जा सकता है। यह बातें फ्यूचर विश्वविद्यालय में रविवार को आयोजित कार्यशाला में एडीजी रमित शर्मा ने कहीं। उन्होंने कहा कि साइबर हेल्प डेस्क पर मौजूद पुलिस कर्मियों को सक्षम होना चाहिए ताकि वे पीड़ित की रिपोर्ट साइबर सेल पर स्वयं दर्ज कर सकें।

फ्यूचर विश्वविद्यालय में रविवार को 'साइबर सुरक्षाः पुलिस अधिकारियों को साइबर अपराधों से निपटने के लिए सशक्त बनाना' विषय पर विशेष कार्यशाला हुई। कार्यक्रम में बरेली जोन के नौ जिलों के 200 से अधिक पुलिस अधिकारियों को साइबर सिक्योरिटी के विशेषज्ञों ने प्रशिक्षित किया।

फ्यूचर कालेज में कार्यक्रम के दौरान पुस्तक का विमोचन करते अतिथि ●_जागरण

समारोह का उद्घाटन रिसोर्स पर्सन राहुल मिश्रा, एसपी क्राइम मुकेश प्रताप सिंह, फ्यूचर विश्वविद्यालय के चांसलर मुकेश गुप्ता और वाइस चांसलर प्रो. पंकज कुमार मिश्रा ने किया। रिसोर्स पर्सन राहुल मिश्रा ने साइबर थानों को विभिन्न साइबर अपराधों के बारे में आम जनता को जागरूक करने पर विशेष जोर दिया।

फ्यूचर विश्वविद्यालय के चांसलर मुकेश गुप्ता ने कहा कि आज के युग में साइबर क्राइम की जानकारी सभी के लिए आवश्यक है। इस अवसर पर 'डिजिटल सीमा को सुरक्षित करना' विषय पर लिखी गई पुस्तक का विमोचन किया गया।

साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

जासं, बरेली : प्रदेश के सभी जिलों में महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा एवं महिला अपराधों में त्वरित कार्रवाई के लिए मिशन शक्ति अभियान का पांचवां चरण चल रहा है। साइबर सुरक्षा के संबंध में रविवार को फ्यूचर विवि में स्ट्रेंथनिंग साइबर सिक्योरिटी इमपावरिंग पुलिस आफिसर्स टू कमबैट साइबर क्राइम विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) बरेली जोन रमित शर्मा ने महिला पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साइबर एक्सपर्ट हुल मिश्रा ने विभिन्न साइबर अपराधों के बारे में बताया।

I-Next जनपद बरेली दिनॉक 28.10.2024

इंटरनेट तकनीक का गलत यूज भी साइबर अपराधः एडीजी

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (27 Oct): तकनीक का गलत उपयोग भी साइबर अपराध की श्रेणी में आता है. वित्तीय धोखाधड़ी पर तत्काल कार्रवाई होने से इस पर लगाम लगाया जा सकता है. यह बातें फ्यूचर विश्वविद्यालय में को आयोजित कार्यशाला में एडीजी रमित शर्मा ने कहीं. 'साइबर सुरक्षा: पुलिस अधिकारियों को साइबर अपराधों से निपटने के लिए सशक्त बनाना' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसमें जोन के 9 जिलों के 200 से अधिक पुलिस अधिकारियों को साइबर सिक्योरिटी के विशेषज्ञों ने प्रशिक्षित किया. समारोह का उद्घाटन रिसोर्स पर्सन राहुल मिश्रा, एसपी क्राइम मुकेश प्रताप सिंह, फ्यूचर विश्वविद्यालय के चांसलर मुकेश गुप्ता और वाइस चांसलर प्रो. पंकज कुमार मिश्रा ने किया.

अमर उजाला जनपद बरेली दिनॉक 28.10.2024

एडीजी ने दिए साइबर सुरक्षा के टिप्स

बरेली। फ्यूचर विश्वविद्यालय में रविवार को साइबर अपराध विषय पर आयोजित कार्यशाला में एडीजी रमित शर्मा ने महिलाओं को साइबर सुरक्षा के टिप्स दिए। उन्होंने बताया कि महिलाओं से जुड़े अपराधों पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। मिशन शक्ति का पांचवां चरण चल रहा है। साइबर अपराध से सुरक्षा के लिए ऑपरेशन गरुड़ चलाया जा रहा है। कार्यशाला में साइबर एक्सपर्ट राहुल मिश्रा ने महिलाओं को जागरूक किया। इस दौरान चांसलर मुकेश गुप्ता, वाइस चांसलर प्रो. पंकज कुमार मिश्रा, एसपी क्राइम मुकेश प्रताप सिंह उपस्थित रहे। संवाद

एडीजी रमित शर्मा।

दैनिक भास्कर जनपद बरेली दिनॉक 28.10.2024

साइबर अपराध की रोकथाम जरूरी: एडीजी

● एडीजी ने दिए साइबर अपराध से बचाव के टिप्स

भास्कर ब्यूरो

बरेली। बरेली जोन में साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एडीजी रमित शर्मा ने पुलिसकर्मियों को टिप्स दिए। हाल के दिनों में बढ़ती साइबर अपराध की घटनाओं की रोकथाम के लिए बरेली जोन के एडीजी रमित शर्मा ने सभी जिलों में पुलिस को साइबर क्राइम से बचाव के लिए कार्यशाला करने के निर्देश दे रहे हैं। उन्होंने पुलिसकर्मियों के साथ एक कार्यशाला की। बरेली समेत प्रदेश ही नहीं बल्कि देश भर में डिजिटल अरेस्ट के मामले भी काफी बढ़े है। चंद मिनटों में लोगो के खातों से हजारों या लाखों रुपए गायब हो जा रहे है। ऐसे में लोगों को जागरूक करने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

हर व्यक्ति को साइबर क्राइम समझना होगा: साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं को ध्यान में रखते हुए बरेली जोन के अपर पुलिस महानिदेशक, रमित शर्मा द्वारा एक अनूठी पहल की गई है। साइबर सुरक्षा के प्रति पुलिस अधिकारियों की क्षमता को मजबूत बनाने के लिए एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला फ्यूचर विश्वविद्यालय में आयोजित की गई। इसमें बरेली जोन के 9 जिलों से 200 से अधिक पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का उद्देश्य साइबर अपराधों की जांच और सुरक्षा उपायों पर पुलिसकर्मियों को नवीनतम जानकारी और तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करना था।

आज हर व्यक्ति के हाथ में महंगे मोबाइल: एडीजी रमित शर्मा ने कहा कि हम आज के इस डिजिटल युग में जी रहे हैं, जहां तकनीक ने हमारे जीवन को सहज बना दिया है। लेकिन इसका नकारात्मक पक्ष यह है कि तकनीक का गलत उपयोग साइबर अपराधों का रूप ले सकता है। विशेष रूप से वित्तीय धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाएं हमारे सामने एक चुनौती बन कर खड़ी हैं। हमें इन अपराधों के प्रति सजग रहना होगा और हर शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करनी होगी। एडीजी रमित शर्मा ने उभरते साइबर अपराधों पर गहराई से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तकनीक का गलत उपयोग, खासकर वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में, समाज में गंभीर चुनौतियां उत्पन्न कर रहा है। उन्होंने पुलिसकर्मियों से त्वरित और सटीक कार्यवाही पर जोर दिया।

साइबर थानों और हेल्प डेस्क के लिए सुझाव : एडीजी रमित शर्मा ने कहा कि गंभीरता के साथ हमारे साइबर थानों को इस बात पर ध्यान देना होगा कि पीड़ित की शिकायत को पूरी तरह से समझें और उन्हें अपराध की ट्रैकिंग की जानकारी दें। साइबर हेल्प डेस्क पर मौजूद पुलिसकर्मियों को सक्षम होना चाहिए ताकि वे पीड़ित की रिपोर्ट तुरंत दर्ज कर सकें। पुलिसकर्मियों को साइबर अपराधों को रोकने और पीड़ितों को न्याय दिलाने के प्रति अपने दायित्वों को और भी गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन, राहुल मिश्रा ने पुलिसकर्मियों को साइबर अपराधों के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया।

उन्होंने साइबर अपराधों की पहचान, उनके प्रकार और उनसे निपटने के तरीकों के बारे में गहराई से जानकारी दी। यह भी कहा कि साइबर अपराधों के प्रति आम जनता को जागरूक करना भी बेहद आवश्यक है। पुलिस लगातार जागरूक कर रही साइबर अपराध सिर्फ तकनीकी ज्ञान से ही नहीं, बल्कि आम जनता की जागरूकता से भी रोके जा सकते हैं। हमें समाज में जागरूकता फैलाने की जरूरत है ताकि लोग ऐसे अपराधों से खुद को बचा सकें। इस कार्यशाला में फ्यूचर विश्वविद्यालय के चांसलर मुकेश गुप्ता, वाइस चांसलर प्रोफेसर पंकज कुमार मिश्रा, बरेली एसपी क्राइम मुकेश प्रताप सिंह और बरेली जोन के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

युवा हस्ताक्षर जनपद बरेली दिनॉक 28.10.2024

डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई चीज नहीं- एडीजी रमित शर्मा

साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से हुई महत्वपूर्ण कार्यशाला, फ्यूचर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में जोन के 9 जिलों से 200 से अधिक पुलिसकर्मियों ने लिया भाग

युवा हस्ताक्षर रिपोर्टर

बरेली। साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से एडीजी रमित शर्मा ने एक महत्वपूर्ण कार्यशाला फ्यूचर विश्वविद्यालय में आयोजित की। इसमें जोन के 9 जिलों से 200 से अधिक पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य साइबर सुरक्षा को लेकर पुलिसकर्मियों में जागरूकता और उनकी कार्यकुशलता बढ़ाना था। एडीजी ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई चीज नहीं होती है।कार्यशाला का उद्घाटन एडीजी रमित शर्मा और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ राहुल मिश्रा ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस दौरान मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष साइबर सुरक्षा की अहमियत पर जोर दिया गया। कार्यशाला का शीर्षक साइबर सुरक्षा सुदृढ़ीकरण-साइबर अपराधों का मुकाबला करने के लिए पुलिसकर्मियों को सशक्त बनाना था, जिसमें पुलिसकर्मियों को नवीनतम तकनीकी ज्ञान और साइबर अपराध की पहचान, रोकथाम, और जांच के तरीकों पर जानकारी दी गई। एडीजी रमित शर्मा ने कहा कि आज के डिजिटल युग में तकनीक ने जहां सुविधाएं बढ़ाई हैं, वहीं इसके दुरुपयोग से साइबर अपराध भी बढ़ रहे हैं। विशेषकर वित्तीय धोखाधड़ी जैसी घटनाओं के मद्देनजर उन्होंने पुलिसकर्मियों से पीड़ितों की शिकायतों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने का आह्वान किया। उन्होंने साइबर थानों में शिकायतों को सही तरीके से दर्ज करने और पीड़ितों को ट्रैकिंग से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने की जरूरत पर भी बल दिया। कार्यशाला में एडीजी रमित शर्मा ने साइबर हेल्प डेस्क को अधिक सक्षम बनाने की बात की। उनका कहना था कि पुलिसकर्मियों को साइबर अपराध के हर पहलू को समझने और जनता को

जागरूक करने में सक्षम होना चाहिए। इसके साथ ही एडीजी ने साइबर अपराधों के रोकथाम के लिए समाज में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता बताई ताकि आम लोग खुद को साइबर अपराधों से सुरक्षित रख सकें। कार्यशाला में विशेषज्ञ राहुल मिश्रा ने पुलिसकर्मियों को साइबर अपराधों की प्रकृति और उनके प्रकारों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने साइबर अपराधों से निपटने की तकनीकों पर भी गहन जानकारी दी। साथ ही उन्होंने बताया कि साइबर अपराध सिर्फ तकनीकी ज्ञान से ही नहीं बल्कि समाज में व्यापक जागरूकता से भी नियंत्रित किए जा सकते हैं। इस कार्यशाला में फ्यूचर विश्वविद्यालय के चांसलर मुकेश गुप्ता, वाइस चांसलर प्रोफेसर पंकज कुमार मिश्रा, बरेली एसपी क्राइम मुकेश प्रताप सिंह, और जोन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने इस पहल की सराहना की और भविष्य में भी इस तरह के आयोजन की आवश्यकता जताई।

अर्ली मॉर्निंग जनपद बिजनौर दिनॉक 28.10.2024

ईमानदार तेज़ तर्रार अधिकारी की अच्छी पहलः एडीजी रमित शर्मा ने साइबर अपराधो से निपटने के दी जानकारी

रमित शर्मा ने साइबर अपराध से आम जनता को जागरूक करने पर जोर दिया

अर्ली मॉर्निंग ब्यूरो,बरेली

अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन रमित शर्मा ने एक अनूठी पहल करते हुये जोन के समस्त जनपदों के साइबर अपराधों की विवेचना करने वाले तथा साइबर थाना, साइबर सेल से सम्बन्धित पुलिस अधिकारी, कर्मचारीयों क्षेत्राधिकारी, निरीक्षक, उप निरीक्षक, मुख्य आरक्षी एवं आरक्षी के लिये एक विशेष कार्यशाला फ्यूचर विश्वविद्यालय, बरेली में साइबर सुरक्षा को मजबूत करना, साइबर अपराधों से निपटने के लिए पुलिस अधिकारियों को सशक्त बनाना विषय पर आयोजित करायी गयी। इस कार्यशाला में बरेली जोन के 9 जिलों के 200 से अधिक पुलिस अधिकारियों और कर्मचारीयों को साइबर सिक्योरिटी के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला का शुभारम्भ

एडीजी रमित शर्मा ने कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन राहुल मिश्रा साइबर सुरक्षा सलाहाकार, उप पुलिस द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

एडीजी रमित शर्मा ने अपने संबोधन में उभरते साइबर अपराधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तकनीक का गलत उपयोग साइबर अपराध की श्रेणी में आता है। विशेष रूप से वित्तीय धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने त्वरित कार्यवाही की आवश्यकता बताई। रमित शर्मा ने यह भी कहा कि साइबर थानों को पीड़ित की शिकायत को पूरी तरह समझना चाहिए और अपराध को ट्रैक करने की जानकारी देनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि साइबर हेल्प डेस्क पर मौजूद पुलिस कर्मियों को सक्षम होना चाहिए जिससे वह पीड़ित की रिपोर्ट दर्ज कर सकें। राहुल मिश्रा ने साइबर थानों साइबर सेल से आये पुलिसकर्मियों को विभिन्न साइबर अपराधों के सम्बन्ध में जानकारी दी तथा साइबर अपराध से आम जनता को जागरूक करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में फ्यूचर विश्वविद्यालय के चांसलर मुकेश गुप्ता, वाइस चांसलर प्रोफेसर पंकज कुमार मिश्रा व एसपी क्राइम मुकेश प्रताप सिंह व बरेली जोन के अधिकारीगण मौजूद रहे।

एडीजी रमित शर्मा ने महिला पुलिसकर्मी को महिला अपराधों को लेकर दिए महत्वपूर्ण टिप्स

अर्ली मॉर्निंग ब्यूरो,बरेली

उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में महिलाओं बालिकाओं की सुरक्षा एवं महिला अपराधों में त्वरित कार्यवाही हेतु मिशन शक्ति अभियान का पाँचवाँ चरण चल रहा है, जिसके अन्तर्गत महिलाओं बालिकाओं की साइबर अपराध से सुरक्षा हेतु ऑपरेशन गरुड़ चलाया जा रहा है। अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन रमित शर्मा ने साइबर सुरक्षा हेतु एक विशेष कार्यशाला फ्यूचर विश्वविद्यालय, बरेली में आयोजित करायी गयी, उक्त कार्यशाला में बरेली जोन के समस्त जनपदों से मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत महिला बीट से सम्बन्धित महिला अधिकारीयों और कर्मचारीयों द्वारा भाग किया गया।

कार्यशाला में साइबर एक्सपर्ट राहुल मिश्रा द्वारा विभिन्न साइबर अपराधों के बारे में महिला अधिकारीगण एवं महिला आरक्षियों को जानकारी दी गयी तथा आम जनता विशेषकर महिलाओं बालिकाओं को साइबर अपराधों के सम्बन्ध में किस प्रकार से जागरूक करना है, इसकी भी जानकारी दी गयी। मिशन शक्ति के अन्तर्गत ऑपरेशन गरूड़ में महिला पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगण द्वारा समस्त थानाक्षेत्रों में महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न साइबर अपराधों के सम्बन्ध में लगातार जानकारी दी जा रही है तथा साइबर अपराध से सम्बन्धित अभियोगों में त्वरित कार्यवाही की जा रही है।